चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 14 मई 2026, अंक –279.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

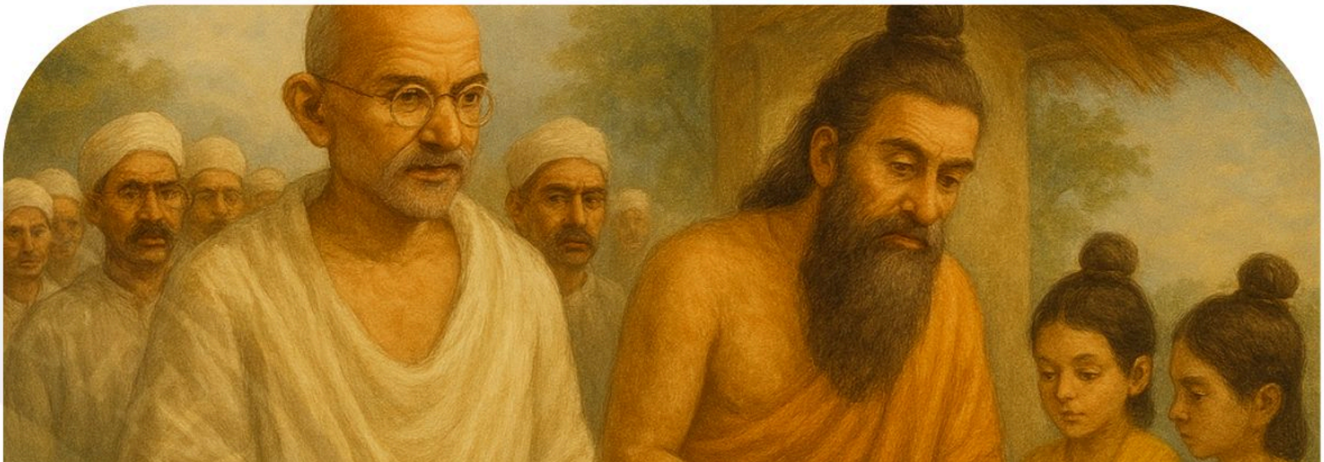

"किस्मत के सहारे चलना कायरता है, पुरुषार्थ ही जीवन है।"

— वेदव्यास

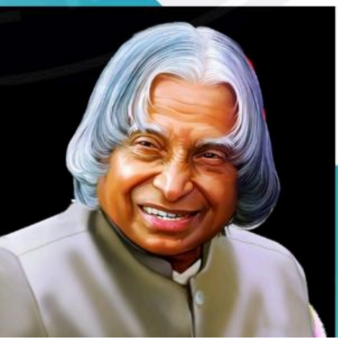

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Thursday Prayer

मुझे इस दुनिया में लाया, मुझे बोलना चलना सिखाया
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुझे पाया।

मैं जब से जग में आया, बन तब से शीतल छाया,
कभी सहलाया गोदी में, कभी कांधे पर है बिठाया।
मेरे सिर पर हाथ रख कर, बस प्यार ही प्यार लुटाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मैं उठाकर सर चल पाऊ, इस लायक तुमने किया है।
कहीं हाथ नहीं फैलाऊ, मुझे इतना तुमने दिया है।
मुझे जग की रीत सिखाई, मुझे धर्म का पाठ पढ़ाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मां-बाप की आंखों से मैं, आंसू बनकर ना गीरूगा।
मां बाप का दिल जो दुखा दे, मैं ऐसा कुछ ना करूंगा।
मां बाप के रूप में मैंने, भगवान को जैसे पाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ....

जब देव भी मात पिता के, उपकार चुका ना पाए।
नागोड़ा दरबार प्रदीप, किन शब्दों में गुण गाए।
मैं फर्ज निभा पाऊं तो, समझूंगा अंश चुकाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ..

मुझे इस दुनिया में लाया मुझे बोलना चलना सिखाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुम्हें पाया।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. कनाडा की मुद्रा क्या कहलाती है?
उत्तर: कैनेडियन डॉलर
प्रश्न 2. भारत के पहले भारतीय वायुसेना प्रमुख कौन थे?
उत्तर: सुब्रतो मुखर्जी
प्रश्न 3. 'नवरोज' पर्व किस समुदाय द्वारा मनाया जाता है?
उत्तर: पारसी
प्रश्न 4. 84 के अभाज्य गुणनखंड कौन-कौन से हैं?
उत्तर: 2, 3, 7
प्रश्न 5. बिहार का कौन-सा शहर 'ज्ञान की भूमि' कहलाता है?
उत्तर: नालंदा
प्रश्न 6. कच्छ का वन्य गधा अभयारण्य किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: गुजरात
प्रश्न 7. स्टेथोस्कोप का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: रेने लाएनेक
प्रश्न 8. भारतीय संविधान का कौन-सा भाग राज्य के नीति निर्देशक तत्वों से संबंधित है?
उत्तर: भाग 4
प्रश्न 9. 'फल-फूल' किस प्रकार का समास है?
उत्तर: द्वंद्व समास
प्रश्न 10. पौधों की जड़ का मुख्य कार्य क्या है?
उत्तर: जल अवशोषण

संकलन:-

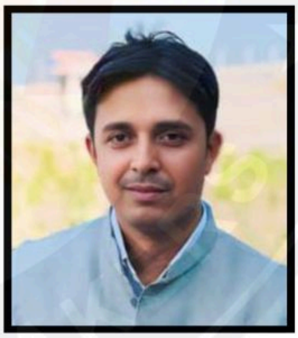

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Animal – (एनिमल) – जानवर
Bird – (बर्ड) – पक्षी
Fish – (फिश) – मछली
Forest – (फॉरेस्ट) – जंगल
Grass – (ग्रास) – घास
Nest – (नेस्ट) – घोंसला
Hunter – (हंटर) – शिकारी

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "तुम ... करते/करती हो" (You ...)

तुम पढ़ते/पढ़ती हो। – You read.
तुम लिखते/लिखती हो। – You write.
तुम खेलते/खेलती हो। – You play.
तुम खाना खाते/खाती हो। – You eat food.
तुम अंग्रेज़ी सीखते/सीखती हो। – You learn English.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटाहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 14 मई को किस महान मराठा योद्धा और छत्रपति शिवाजी महाराज के ज्येष्ठ पुत्र की जयंती मनाई जाती है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: संभाजी महाराज
व्याख्या: 14 मई को महान योद्धा छत्रपति संभाजी महाराज की जयंती मनाई जाती है। उन्होंने अपने शासनकाल में मुगलों के विरुद्ध अदम्य साहस का परिचय दिया और मराठा साम्राज्य की रक्षा की। उनका बलिदान और वीरता भारतीय इतिहास में राष्ट्रभक्ति का अनुपम उदाहरण है।
संदर्भ: Ministry of Culture, India (2026).

2. हाल ही में 'क्वाड' (QUAD) शिखर सम्मेलन 2026 की मेजबानी किस देश द्वारा की गई? (समसामयिकी)
उत्तर: भारत
व्याख्या: मई 2026 में भारत ने क्वाड (भारत, अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया) शिखर सम्मेलन की मेजबानी की। इसमें हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा, समुद्री सहयोग और उभरती प्रौद्योगिकियों पर महत्वपूर्ण समझौते हुए। यह भारत की बढ़ती वैश्विक कूटनीतिक शक्ति का परिचायक है।
संदर्भ: Ministry of External Affairs (MEA), May 2026.

3. पल्लव राजाओं की प्रसिद्ध राजधानी कौन सी थी, जो मंदिरों के लिए विख्यात है? (इतिहास - पुस्तक)
उत्तर: कांचीपुरम
व्याख्या: पल्लव वंश के शासकों की राजधानी कांचीपुरम (तमिलनाडु) थी। यह शहर अपनी धार्मिक शिक्षा और वास्तुकला, विशेषकर पल्लवकालीन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। इतिहास में पल्लव और चालुक्यों के बीच संघर्ष का विवरण मिलता है, जो दक्षिण भारतीय राजनीति का मुख्य केंद्र था।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 10 New Empires and Kingdoms, p. 108.

4. पृथ्वी के चारों ओर वायुमंडल को थामे रखने वाला मुख्य बल कौन सा है? (पर्यावरण)
उत्तर: गुरुत्वाकर्षण बल
व्याख्या: पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल ही वायुमंडल को पृथ्वी से सटाकर रखता है। इसके बिना वायुमंडल अंतरिक्ष में बिखर जाता और जीवन संभव नहीं होता। यह बल वायु के घनत्व और दाब को सतह के पास अधिक बनाए रखता है।
संदर्भ: NCERT Class 6 Geography, Ch 5 Major Domains of the Earth, p. 35.

5. चालुक्य वंश के सबसे प्रसिद्ध राजा पुलकेशिन द्वितीय के बारे में जानकारी किस प्रशस्ति से मिलती है? (इतिहास)
उत्तर: ऐहोल प्रशस्ति
व्याख्या: ऐहोल (कर्नाटक) से प्राप्त इस प्रशस्ति की रचना पुलकेशिन द्वितीय के दरबारी कवि रवि कीर्ति ने की थी। इसमें पुलकेशिन द्वितीय द्वारा राजा हर्षवर्धन को हराने और दक्षिण में चालुक्य साम्राज्य के विस्तार का विस्तृत विवरण मिलता है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 10 New Empires and Kingdoms, p. 108.

"सामान्य-ज्ञान"

6. विश्व का वह कौन सा महाद्वीप है जिसे 'श्वेत महाद्वीप' (White Continent) कहा जाता है? (भूगोल)
उत्तर: अंटार्कटिका
व्याख्या: अंटार्कटिका पूरी तरह से दक्षिणी गोलार्ध में स्थित है और हमेशा मोटी बर्फ की परतों से ढका रहता है, इसलिए इसे श्वेत महाद्वीप कहते हैं। यहाँ कोई स्थायी मानव निवास नहीं है, केवल शोध केंद्र हैं। भारत के 'मैत्री' और 'भारती' शोध केंद्र यहीं स्थित हैं।
संदर्भ: NCERT Class 6 Geography, Ch 5 Major Domains of the Earth, p. 34.

7. संविधान का कौन सा अनुच्छेद 'ग्राम पंचायतों के संगठन' के लिए राज्य को निर्देश देता है? (संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 40
व्याख्या: भारतीय संविधान के नीति निदेशक तत्वों के अंतर्गत अनुच्छेद 40 राज्य को ग्राम पंचायतों के गठन और उन्हें शासन की इकाइयों के रूप में कार्य करने के लिए शक्तियाँ प्रदान करने का निर्देश देता है। यह गांधीवादी विचारधारा और लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का आधार है।
संदर्भ: NCERT Class 11 Pol. Science, Ch 9 Constitution as a Living Document (Panchayat Context).

8. किस विटामिन की कमी से मनुष्य में 'रतौंधी' (Night Blindness) नामक रोग होता है? (विज्ञान)
उत्तर: विटामिन-A
व्याख्या: विटामिन-A आँखों की रोशनी और त्वचा के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। इसकी कमी से कम रोशनी में दिखाई न देने की समस्या होती है। गाजर, पपीता और मछली का तेल इसके मुख्य स्रोत हैं। यह संतुलित पोषण और जैव विज्ञान का एक आधारभूत प्रश्न है।
संदर्भ: NCERT Class 6 Science, Ch 2 Components of Food, p. 16.

9. विश्व प्रसिद्ध 'अजंता की गुफाएं' (महाराष्ट्र) मुख्य रूप से किस धर्म की कला से प्रेरित हैं? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: बौद्ध धर्म
व्याख्या: अजंता की 29 गुफाओं में बने भित्ति चित्र (Frescoes) और मूर्तियाँ बुद्ध के जीवन और जातक कथाओं को दर्शाती हैं। ये चित्र गुफाओं के अंधेरे में मशालों की रोशनी में बनाए गए थे। यह भारतीय शास्त्रीय चित्रकला का चरमोत्कर्ष माना जाता है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 11 Buildings, Paintings and Books, p. 115.

10. बिहार के किस जिले में 'विक्रमशिला गांगेय डॉल्फिन अभयारण्य' स्थित है? (बिहार GK)
उत्तर: भागलपुर
व्याख्या: भागलपुर जिले में गंगा नदी के 50 किमी क्षेत्र में फैला यह अभयारण्य भारत के राष्ट्रीय जलीय जीव 'गंगा डॉल्फिन' के संरक्षण के लिए बनाया गया है। यह जैव विविधता और पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से बिहार का एक अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है।
संदर्भ: Bihar Forest Department / NCERT Map Reference.

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार के अनुसार, लू (Heatwave) के दौरान बाहर से आने पर तुरंत पानी पीने से क्यों बचना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा)
उत्तर: शरीर का तापमान असंतुलित होना
व्याख्या: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम (मई W2) के अनुसार, भीषण गर्मी से आने के तुरंत बाद अत्यधिक ठंडा या सादा पानी पीने से शरीर के तापमान में अचानक बदलाव आता है, जिससे स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। शरीर को पहले सामान्य तापमान पर आने देना चाहिए और फिर घूँट-घूँट कर पानी पीना चाहिए।
संदर्भ: आपदा जोखिम न्यूनीकरण कैलेंडर 2026, बिहार सरकार।

12. एक फोटो की ओर इशारा करते हुए एक व्यक्ति कहता है, "उस महिला का पति मेरे पिता का इकलौता बेटा है।" उस व्यक्ति का फोटो वाली महिला से क्या रिश्ता है? (रीजनिंग)
उत्तर: पति (Husband)
व्याख्या: "मेरे पिता का इकलौता बेटा" स्वयं वह व्यक्ति है। चूंकि वह व्यक्ति कहता है कि महिला का पति वही (स्वयं) है, इसलिए वह व्यक्ति उस महिला का 'पति' हुआ। यह प्रश्न तार्किक विश्लेषण और भाषा की समझ को परखता है।
संदर्भ: NTSE Mental Ability Practice (2026).

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण ।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Pensive (पेन्सिव) = Thoughtful (थॉटफुल) = विचारमग्न
Antonym – Carefree (केयरफ्री) = निश्चिंत
Quench (क्वेंच) = Extinguish (एक्सटिंग्विश) = बुझाना / शांत करना
Antonym – Ignite (इग्नाइट) = प्रज्वलित करना
Ransack (रैनसैक) = Plunder (प्लंडर) = लूटपाट करना / तहस-नहस करना
Antonym – Protect (प्रोटेक्ट) = सुरक्षा करना
Serene (सरीन) = Peaceful (पीसफुल) = शांत / निश्चल
Antonym – Disturbed (डिस्टर्ब्ड) = अशांत
Thrive (थ्राइव) = Prosper (प्रॉस्पर) = उन्नति करना / फलना-फूलना
Antonym – Decline (डिक्लाइन) = पतन होना

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Government launches 'Mission Sagar-Maitri'; India to build its first 'Floating Research City' in the Bay of Bengal for climate and oceanographic studies.
भारत सरकार ने 'मिशन सागर-मैत्री' शुरू किया; जलवायु और समुद्र विज्ञान के अध्ययन के लिए बंगाल की खाड़ी में भारत का पहला 'फ्लोटिंग रिसर्च सिटी' (तैरता हुआ अनुसंधान शहर) बनाया जाएगा।

Ministry of Civil Aviation approves 'Drone-Taxi' corridors for Delhi-NCR and Mumbai; commercial operations to begin by October 2026.
नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने दिल्ली-एनसीआर और मुंबई के लिए 'ड्रोन-टैक्सी' कॉरिडोर को मंजूरी दी; अक्टूबर 2026 तक वाणिज्यिक संचालन शुरू करने का लक्ष्य।

India signs 'Critical Minerals Pact' with Australia and Chile; secures 20-year supply of Lithium and Graphite for domestic semiconductor manufacturing.
भारत ने ऑस्ट्रेलिया और चिली के साथ 'क्रिटिकल मिनरल्स पैक्ट' पर हस्ताक्षर किए; घरेलू सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए लिथियम और ग्रेफाइट की 20 साल की आपूर्ति सुनिश्चित की।

INTERNATIONAL NEWS

Global Climate Summit: 150 nations adopt 'The Plastic Neutrality Pact'; commit to 100% recycling of industrial plastic by 2035.
वैश्विक जलवायु शिखर सम्मेलन में 150 देशों ने 'प्लास्टिक तटस्थता समझौता' अपनाया; 2035 तक औद्योगिक प्लास्टिक के 100% पुनर्चक्रण (Recycling) की प्रतिबद्धता।

BBC News: Scientists at MIT develop 'Plant-Based Solar Cells' using spinach proteins; achieves 10% efficiency in organic energy conversion.
बीबीसी न्यूज़: एमआईटी के वैज्ञानिकों ने पालक के प्रोटीन का उपयोग करके 'प्लांट-बेस्ड सोलर सेल्स' विकसित किए; जैविक ऊर्जा रूपांतरण में 10% दक्षता हासिल की।

WHO reports 'Zero New Cases' of Wild Polio globally for the second consecutive year; officially declares the virus 'Near-Extinction'.
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की रिपोर्ट: लगातार दूसरे वर्ष वैश्विक स्तर पर वाइल्ड पोलियो का 'शून्य नया मामला' दर्ज; वायरस को आधिकारिक तौर पर 'विलुप्ति के करीब' घोषित किया गया।

BIHAR NEWS

Bihar Government to establish 'Rural Innovation Hub' in Madhubani; will provide 3D-printing and laser-cutting facilities for local artisans and students.
बिहार सरकार मधुबनी में 'ग्रामीण नवाचार हब' स्थापित करेगी; यहाँ स्थानीय कारीगरों और छात्रों के लिए 3D-प्रिंटिंग और लेजर-कटिंग की सुविधा उपलब्ध होगी।

SCERT Bihar introduces 'Financial Literacy' as a mandatory co-curricular subject for Classes 8-12; collaboration with RBI for digital-banking modules.
एससीईआरटी बिहार ने कक्षा 8-12 के लिए 'वित्तीय साक्षरता' को अनिवार्य सह-पाठ्यचर्या विषय बनाया; डिजिटल-बैंकिंग मॉड्यूल के लिए आरबीआई के साथ सहयोग।

SPORTS NEWS

Indian Archer Aditi Swami breaks World Record at the Archery World Cup in Antalya; scores a perfect 720/720 in the compound category.
भारतीय तीरंदाज अदिति स्वामी ने अंताल्या में तीरंदाजी विश्व कप में विश्व रिकॉर्ड तोड़ा; कंपाउंड श्रेणी में 720/720 का परफेक्ट स्कोर बनाया।

Ministry of Sports launches 'Khelo India Tribal Games 2.0'; special focus on traditional sports like 'Mallakhamb' and 'Gatka' in 10 states.
खेल मंत्रालय ने 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2.0' की शुरुआत की; 10 राज्यों में मल्लखंब और गतका जैसे पारंपरिक खेलों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍ संदेश:

"NEWS का अर्थ है हर दिन एक नई दृष्टि। सूचना के साथ ही आपका व्यक्तित्व भी अद्यतन (UPDATE) होना चाहिए।"

प्रेरक प्रसंग

"नया घर"

गाँव के पास एक विशाल पीपल का पेड़ था। उसकी शाखाओं पर कई गौरैया अपने घोंसलों में रहती थीं। हर सुबह उनकी मधुर चहचहाहट से वातावरण गूँज उठता था।

एक दिन तेज आँधी और बारिश आई। हवा इतनी तेज थी कि एक नन्ही गौरैया का घोंसला टूटकर नीचे गिर पड़ा। गौरैया बार-बार टूटी शाखा के पास उड़कर जाती और फिर उदास होकर लौट आती। मानो वह सोच रही हो कि अब उसका घर कैसे बनेगा।

उसी समय कुछ बच्चे स्कूल जाते हुए वहाँ पहुँचे। उन्होंने टूटा हुआ घोंसला देखा और गौरैया की बेचैनी समझ गए। एक बच्चे ने कहा, "हम इसके लिए एक नया और मजबूत घर बना सकते हैं।"

स्कूल पहुँचने के बाद बच्चों ने शिक्षक की मदद से एक मजबूत गत्ते का छोटा-सा घोंसला बनाया। उसमें सूखी घास और मुलायम रूई रखी गई ताकि गौरैया को आराम मिले। फिर सभी बच्चों ने मिलकर उस घोंसले को पीपल के पेड़ की सुरक्षित शाखा पर सावधानी से लटका दिया।

कुछ ही देर बाद गौरैया उस नए घर के पास आई। उसने भीतर झाँका, चारों ओर देखा और प्रसन्न होकर उसमें बैठ गई। थोड़ी ही देर में उसकी मधुर चहचहाहट पूरे वातावरण में गूँज उठी। ऐसा लग रहा था जैसे वह बच्चों को धन्यवाद दे रही हो।

शिक्षक ने मुस्कुराते हुए कहा, "जब हम किसी छोटे जीव की सहायता करते हैं, तब हम केवल एक घर नहीं बनाते, बल्कि करुणा और जिम्मेदारी की मिसाल भी पेश करते हैं।"

उस दिन बच्चों ने संकल्प लिया कि वे पक्षियों के लिए पानी रखेंगे, पेड़-पौधे लगाएंगे और प्रकृति की रक्षा करेंगे।

शिक्षा :

छोटी-सी संवेदनशीलता भी किसी के जीवन में बड़ी खुशियाँ ला सकती है।

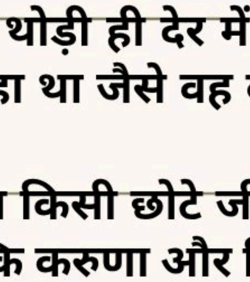

.................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

प्रार्थना सत्र में छात्रों को व्यायाम कैसे कराएं ?

विद्यालय में प्रार्थना सत्र के दौरान हमें छात्रों को प्रतिदिन व्यायाम कराना चाहिए। इसको कराने के कई फायदे होते हैं। इससे छात्रों को शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास में मदद मिलती है। शरीर स्वस्थ और चुस्त रहता है। उनकी मांसपेशियाँ मजबूत होती हैं, शरीर में लचीलापन आता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। प्रतिदिन व्यायाम करने से छात्रों का ध्यान पढ़ाई के प्रति बढ़ता है तथा दिमाग सक्रिय होता है। जिससे कक्षा में ध्यान और याद रखने की क्षमता बेहतर होती है। इससे हम अनुशासन और समय पालन सीखते हैं। पंक्ति में खड़े होने, शिक्षक के निर्देशों को मानने और सामूहिक गतिविधि करने से छात्रों में अनुशासन विकसित होता है तथा आलस्य और तनाव कम होता है। सुबह हल्का व्यायाम और योग से छात्र तरोताजा महसूस करते हैं और उनका मानसिक तनाव कम होता है तथा उनमें टीम भावना विकसित होती है। प्रार्थना सत्र में समूह में व्यायाम करने से सहयोग, एकता और आपसी मेलजोल बढ़ता है। नियमित शारीरिक गतिविधि छात्रों को मोटापा, कमजोरी जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से बचाने में मदद करती है। साथ ही उनमें आत्मविश्वास और उत्साह बढ़ता है। छात्र पूरे दिन ऊर्जावान और सकारात्मक रहते हैं।

विद्यालय में प्रार्थना सत्र के दौरान निम्नवत् 10 मिनट का व्यायाम कार्यक्रम आयोजित किया जा सकता है

-सावधान–विश्राम 1 मिनट का

छात्रों को पंक्ति में खड़ा कर सावधान, विश्राम और गहरी साँस लेने का अभ्यास

-वार्म-अप 2 मिनट का

इसमें गर्दन घुमान, हाथ घुमाना, कमर मोड़ना,घुटना मोड़ना, जगह पर हल्की दौड़ करने की गतिविधि हो सकती है।

-मुक्त हस्त व्यायाम 3 मिनट का इसमें दोनों हाथ ऊपर-नीचे करना, आगे-पीछे झुकना, दाएँ-बाएँ स्ट्रेच करना हल्का कूदना जैसी गतिविधियों को किया जा सकता है। इस दौरान तेज लयबद्ध संगीत बजाया जा सकता है।

-योग एवं प्राणायाम 2 मिनट का किया जा सकता है

इसमें ताड़ासन, वृक्षासन, अनुलोम-विलोम, गहरी साँस लेना और छोड़ना जैसी गतिविधियों को किया जा सकता है।

-ताल व्यायाम 1 मिनट का

इसमें तालियों के साथ गिनती

गिनवा सकते हैं।

- शांत अवस्था 1 मिनट का

इसमें सभी छात्रों को शांत खड़ा कर 20–30 सेकंड आँख बंद करके ध्यान लगवा सकते हैं।

व्यायाम कराते समय निम्न बातों का ध्यान रखना आवश्यक है:

व्यायाम खाली पेट या हल्के नाश्ते के बाद कराना चाहिए।

बहुत तेज धूप या अत्यधिक ठंड में कठिन व्यायाम नहीं कराना चाहिए। छोटे छात्रों के लिए खेल-आधारित गतिविधियाँ होनी चाहिए। विद्यालय के सभी बच्चों को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

..................✍️

मनोज कुमार झा

प्रधानाध्यापक

राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय

बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर
बेतिया भास्कर 06-04-2026

संडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है।

चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है।

एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छूट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में पेररक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026
बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयाह से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक,

"सरकारी विद्यालयो मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार-दर्शन"

प. चंपारण: मेधा, कला और राजनीति के शीर्ष हस्ताक्षर

'संपादकीय'✍️

पश्चिम चंपारण की मिट्टी ने कला और मेधा के ऐसे वैश्विक मानक स्थापित किए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चकित करने वाले हैं। चूहड़ी (बेतिया) के एक साधारण से परिवेश से निकलकर बॉलीवुड की सबसे प्रतिष्ठित और पहली 'आइटम क्वीन' बनीं हेलन का सफर इसका जीवंत उदाहरण है। एंग्लो-इंडियन मूल की हेलन ने अपनी विशिष्ट पश्चिमी नृत्य शैली और अदाकारी से न केवल भारतीय सिनेमा बल्कि वैश्विक स्तर पर नृत्य की एक नई परिभाषा गढ़ी। उस दौर में जब चंपारण जैसे सुदूर क्षेत्र से किसी का मायानगरी तक पहुँचना ही बड़ी बात थी, हेलन ने अपनी प्रतिभा से हॉलीवुड तक के विशेषज्ञों का ध्यान आकर्षित किया। उनके अलावा, हिंदी सिनेमा को 'यथार्थवाद' की नई दृष्टि देने वाले फिल्म निर्देशक प्रकाश झा भी इसी जिले की उपज हैं, जिनकी फिल्मों में चंपारण की सामाजिक-राजनीतिक पृष्ठभूमि का गहरा प्रभाव झलकता है।

राजनीतिक परिदृश्य में इस जिले का कद बहुत ऊँचा रहा है, जिसका प्रमाण बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री केदार पांडेय। उनके शासनकाल और विकासवादी सोच ने राज्य की राजनीति को एक ठोस दिशा दी। इसी कड़ी में स्वतंत्रता सेनानी विपिन बिहारी वर्मा का नाम गौरव से लिया जाता है, जिन्होंने चंपारण सत्याग्रह के दौरान गांधी जी के कंधे से कंधा मिलाकर काम किया और बाद में संविधान सभा के सदस्य के रूप में आधुनिक भारत की नियति लिखने में भूमिका निभाई। साहित्य के क्षेत्र में महान कवि गोपाल सिंह नेपाली ने अपनी ओजस्वी कविताओं से राष्ट्रीयता का संचार किया, तो वहीं पंडित चंद्रशेखर धर मिश्र, पाण्डेय आशुतोष और गीतकार दिनेश भ्रमर ने अपनी साहित्यिक मेधा से इस जिले को शब्दों के संसार में अमर कर दिया।

इतिहास और जनक्रांति की बात हो तो पंडित राजकुमार शुक्ल के बिना वह अधूरी है। उनकी जिजीविषा ने ही दक्षिण अफ्रीका से लौटे मोहनदास को 'महात्मा' बनने की राह दिखाई। चंपारण के ही बत्तख मियाँ ने जिस वीरता से गांधी जी की जान बचाई थी, वह देशप्रेम की एक ऐसी मिसाल है जो आज भी प्रासंगिक है। वहीं, आधुनिक अभिनय के क्षेत्र में मनोज वाजपेयी ने अपनी जड़ों से जुड़कर यह साबित किया कि बेलवा जैसे छोटे गाँव से निकलकर भी विश्व सिनेमा के शीर्ष तक पहुँचा जा सकता है। ये सभी व्यक्तित्व चंपारण के उस लचीलेपन और अदम्य साहस का प्रतीक हैं, जो यहाँ की रग-रग में बसा है और जिसने समय-समय पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।

आध्यात्मिक और पौराणिक साक्ष्यों के केंद्र के रूप में यह जिला पूरे आर्यावर्त में विशिष्ट है। वाल्मीकि आश्रम और भितिहरवा आश्रम जहाँ ज्ञान और अहिंसा के वैश्विक केंद्र बने, वहीं कैलशवा बाबा जैसे संतों की साधना स्थली ने इसे आध्यात्मिक ऊर्जा से भरे रखा। आस्था के केंद्रों में मदनपुर देवी स्थान और चंडी स्थान की महत्ता दूर-दूर तक फैली है। विशेष रूप से मदनपुर का देवी स्थान, जो गंडक के तट पर स्थित है, प्रकृति और शक्ति की उपासना का एक दुर्लभ केंद्र है। ये स्थल केवल धार्मिक केंद्र नहीं हैं, बल्कि उस प्राचीन संस्कृति की निरंतरता हैं जो रामायण काल से लेकर आधुनिक भारत तक बिना रुके प्रवाहित हो रही है।

अंततः, पश्चिम चंपारण की यह धरती उन लोगों की कर्मभूमि रही है जिन्होंने सीमित संसाधनों में भी वैश्विक प्रभाव उत्पन्न किया। यहाँ की बोलियों में घुला अपनत्व और संघर्ष की विरासत ही इसे 'महापुरुषों की जननी' बनाती है। चंपारण का यह मानवीय और सांस्कृतिक पक्ष एक उदाहरण है कि कैसे एक भौगोलिक क्षेत्र अपनी मेधा और दृढ़ संकल्प से विश्व पटल पर अपनी पहचान बना सकता है। यहाँ की मिट्टी में दबे ऐतिहासिक अवशेष और जीवित विभूतियाँ आज भी आने वाली पीढ़ियों को श्रेष्ठता और स्वावलंबन के मार्ग पर चलने का आह्वान करती हैं।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)
📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080
teachersofbihar@gmail.com
+917250818080
www.teachersofbihar.org